भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1209

दिनांक 03 दिसम्बर, 2024

पश्चिम बंगाल में कार्यरत कृषि अनुसंधान एवं विकास

1209. श्री खलीलुर रहमान :

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पश्चिम बंगाल में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए कृषि अनुसंधान केन्द्र और विकास संस्थान कार्य कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त कृषि अनुसंधान केन्द्रों और विकास संस्थाओं ने विगत तीन वर्षों के दौरान कृषि विकास कार्य शुरू किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त विकास कार्यों से कृषि क्षेत्र में कितनी वृद्धि हुई है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री

(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने पश्चिम बंगाल राज्य में 4 अनुसंधान संस्थान तथा 10 क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए हैं। यह संस्थान देश में अन्य हिस्सों के अलावा पश्चिम बंगाल राज्य की कृषि प्रौद्योगिकी से जुड़ी जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण के लिए पश्चिम बंगाल में जिला स्तर पर 23 कृषि विज्ञान केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित अनुसंधान संस्थानों तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों की सूची **अनुबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(ग) एवं (घ): पश्चिम बंगाल में कृषि अनुसंधान संस्थानों/केन्द्रों द्वारा विभिन्न फील्ड फसलों, दलहन, तिलहन, फाईबर बागवानी फसलों, जलवायु अनुकूल किस्मों के विकास; पोल्ट्री तथा मात्स्यिकी क्षेत्र के विकास के लिए अनुसंधान; एर्गोनोमिकली रूप से उन्नत उपकरण एवं औजार तथा महिला अनुकूल उपकरण और मशीनरी का विकास; किसानों तथा हितधारकों के लिए प्रदर्शन, प्रशिक्षण तथा कौशल विकास कार्यक्रम आदि पर कार्य किए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के लिए पिछले तीन वर्षों (2021-2023) तथा 2024 के दौरान कुल 132 फील्ड फसल किस्में विकसित और जारी की गई हैं। इनमें अनाज की 69; तिलहन की 16; दलहन की 22; रेशा फसलों की 11; चारा फसलों की 8 तथा गन्ने की 6 किस्में शामिल हैं।

कृषि वृद्धि केन्द्र सरकार, राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों और योजनाओं तथा कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों पर निर्भर करती है। पिछले तीन वर्षों में पश्चिम बंगाल में कृषि अनुसंधान तथा विकास संगठनों के साथ-साथ सरकार की नीतियों और सहायता से कृषि वृद्धि के उन्नयन में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है।

****

अनुबंध - 1

{लोक सभा के दिनांक 03.12.2024 के अतारांकित प्रश्न सं. 1209 का भाग (क) एवं (ख)}

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित कृषि अनुसंधान संस्थानों की सूची

1. राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएनएफईटी), कोलकाता
2. केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान(सीआरआईजेएएफ), बैरकपुर, कोलकाता
3. केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, (सीआईएफआरआई), बैरकपुर, कोलकाता
4. कृषि प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, (एटीएआरआई), कोलकाता

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित भाकृअप संस्थानों के क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची

1. आईसीएआर- आईवीआरआई का पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, बेलगछिया रोड, कोलकाता
2. आईसीएआर- एनडीआरआई का पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, कल्याणी, नाडिया
3. आईसीएआर- सीटीआरआई क्षेत्रीय केन्द्र, दिनहाटा, कूच बिहार
4. आईसीएआर- आईएआरआई क्षेत्रीय केन्द्र, कलीमपोंग, दार्जिलिंग
5. आईसीएआर- सीआईबीए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, कॉकद्वीप, 24 परगना (दक्षिण)
6. आईसीएआर- सीआईएफई केन्द्र, साल्टलेक सिटी, कोलकाता
7. आईसीएआर- सीआईएफए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, राहारा फिश फार्म, राहारा
8. आईसीएआर- सीपीसीआरआई अनुसंधान केन्द्र, मोहितनगर, जलपाईगुड़ी
9. आईसीएआर- सीएसएसआरआई क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, केनिंगटाउन, 24 परगना (दक्षिण)
10. आईसीएआर- सीआईएसएच क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, मखदूमपुर, मालदा

****